सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 183 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 7 अगस्त, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जरूरी नहीं था की क्रांति में अभिशप्त संघर्ष शामिल हो। यह बम और पिस्तौल का पंथ नहीं था।

-भगत सिंह

पाक महिला टीम को आयरलैंड... 7 | कांग्रेस संगठन को मिल रहा नया... 3 | सरकार मठ में सो रही है जनता... 2

जस्टिस वर्मा की याचिका खारिज, आशीष मिश्रा के खिलाफ जांच के आदेश

खीरी हिंसा मामले में अभियुक्त है गृह राज्य मंत्री का बेटा

» गवाह को धमकाने के मामले में कोर्ट सख्त, यूपी सरकार को दिये जांच के आदेश

» कानून के शिकंजे में जज, पूछताछ गिरफ्तारी और चार्जशीट की पूरी संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आज दो महत्वपूर्ण मामलों में सख्त रूख अपनाते हुए अलग-अलग निर्णय दिये। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका देते हुए उनकी याचिका को सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए खारिज कर दिया है।

वही लखीमपुर-खीरी हिंसा मामले में आरोपी आशीष मिश्रा उर्फ मोनू के खिलाफ गवाह को प्रभावित करने के आरोपों की जांच के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस को निर्देश दिया है। यह मामला किसान आंदोलन के दौरान हुई हिंसा से जुड़ा है, जिसमें पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा पर गंभीर आरोप लगे हैं। दावा किया गया कि आशीष ने गवाह को गवाही न देने के लिए धमकी दी।

खीरी हिंसा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता की ओर से एफआईआर दर्ज न करने पर पुलिस पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि अगर शिकायतकर्ता पुलिस के सामने आने में हिचकिचा रहा है, तो पुलिस को खुद जांच के लिए अधिकारी भेजना चाहिए। कोर्ट ने लखनऊ के पुलिस अधीक्षक से इस मामले में हलफनामा दाखिल करने का भी आदेश दिया है। साथ ही, निचली अदालत को निर्देश दिया गया कि वह 20 अगस्त, 2025 तक जितने हो सके उतने गवाहों की गवाही पूरी करे।

जमानत रद्द करने की अपील

इस मामले में वकील प्रशांत भूषण ने आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने की मांग की, जिसमें उन्होंने गवाह को धमकाने का आरोप लगाया। भूषण का कहना था कि गवाहों पर दबाव बनाया जा रहा है। वहीं, आशीष मिश्रा के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि इन आरोपों के कोई सबूत नहीं हैं और बार-बार बिना आधार के ऐसी शिकायतें की जा रही हैं। लखीमपुर-खीरी हिंसा 3 अक्टूबर, 2021 को हुई थी, जब किसानों के प्रदर्शन के दौरान चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। आरोप है कि आशीष मिश्रा के काफिले की गाड़ी ने किसानों को कुचला था। इसके बाद गुस्साए किसानों ने कुछ लोगों की पिटाई कर दी थी, जिसमें एक पत्रकार की भी जान चली गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने पहले आशीष को जमानत दी थी, लेकिन अब गवाहों को प्रभावित करने के आरोपों के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का आदेश दिया है। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

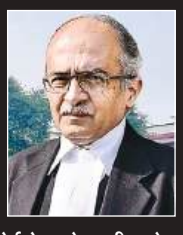

पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा को बड़ा झटका दिया। कोर्ट ने उनकी याचिका को सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए खारिज कर दिया है। जस्टिस वर्मा ने अपने आवास से जला हुआ कैश मिलने के मामले में गठित जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करार देने की मांग को लेकर याचिका दाखिल की थी। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद से हटाने के लिए भेजी गई सिफारिश को भी चुनौती दी थी।

नहीं करना चाहिए था वीडियो अपलोड

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि वीडियो अपलोड करना एक सही फैसला नहीं था, लेकिन इस पर कोई कानूनी निर्णय नहीं लिया गया, क्योंकि इस कदम को समय रहते चुनौती नहीं दी गई थी। कोर्ट ने यह भी कहा कि वीडियो अपलोड करने की आवश्यकता नहीं थी, लेकिन चूंकि उस समय इस मुद्दे को उठाया नहीं गया, इसलिए अब इस पर विचार नहीं किया जा सकता। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में नकदी बरामदगी की जांच और मई में जस्टिस वर्मा के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग वाली नेदुमपारा की याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं हुआ

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता ने स्पष्ट किया कि अदालत ने यह माना है कि इस पूरी प्रक्रिया से याचिकाकर्ता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं हुआ। कोर्ट ने कहा कि चीफ जस्टिस और जांच कमेटी ने फोटो और वीडियो अपलोड करने समेत प्रक्रिया के सभी पहलुओं का पूरी ईमानदारी से पालन किया था।

उत्तरकाशी की तबाही पर अखिलेश यादव का सरकार पर तगड़ा हमला

सरकार मठ में सो रही है जनता जलप्रलय में डूबी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तरकाशी के धराली में आई भीषण आपदा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में फैली बाढ़ की त्रासदी पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार पर करारा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाएं केवल कुदरत का कोप नहीं बल्कि इंसानी लालच और सरकारी उपेक्षा की मिली-जुली देन हैं। अखिलेश ने मांग की है कि उत्तरकाशी त्रासदी के पीड़ितों के लिए राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जाएं। उन्होंने कहा है कि हर एक जीवन अनमोल होता है। पर्यावरण संरक्षण ही असली जीवन संरक्षण है। उन्होंने चेताया कि हिमालय और नदियों के साथ जो खिलवाड़ हो रहा है वह विनाश का संकेत है।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी आंदोलन और डॉ. राममनोहर लोहिया ने बहुत पहले ही हिमालय और नदियों को बचाने की चेतावनी दी थी। अब वह चेतावनी हकीकत में तबाही बनकर सामने आ रही है उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगर हम अभी भी नहीं चेते तो यह विनाश थमने वाला नहीं है। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की हालिया बाढ़ कि स्थिति पर सरकार की नाकामी को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज, फतेहपुर, बलिया, वाराणसी और हमीरपुर जैसे जिले बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं लेकिन सरकार की तरफ से कोई कारगर राहत या पुनर्वास नहीं हो रहा।

क्या मठ में विश्राम कर रही है सरकार?

अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा है कि लगता है कि सरकार मठ में विश्राम कर रही है। उन्होंने कहा कि 20-20 हजार करोड़ रुपये के बजट खर्च के बाद भी न सड़कों का जलभराव रुका न गड्ढे भरे न बाढ़ पर कोई नियंत्रण हो सका। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मौजूदा सरकार पर पूरे प्रदेश में अराजकता लूट और भ्रष्टाचार फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज हालत ये है कि खुद सत्तारूढ़ दल के विधायक और मंत्री भी धरना देने पर मजबूर हो रहे हैं लेकिन फिर भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही।

जनता को मिला केवल धोखा

सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने नौ सालों में विकास के नाम पर केवल जनता को धोखा दिया है। किसान, नौजवान, महिलाएं और आम लोग सबके साथ विश्वासघात हुआ है। सरकारी बजट को लुटाया गया है लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई विकास नहीं हुआ उन्होंने कहा। कि हिमालय रो रहा है और गंगा मटमैली हो गई है तब सत्ता के दरबार में खामोशी क्यों है।

चंपारण और आसपास की सीटों पर मुकेश साहनी का दावा

» महागठबंधन में सीट शेयरिंग फार्मूले से पहले विकासशील इंसान पार्टी ने किया एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर भले ही अभी बातचीत जारी हो, लेकिन इससे पहले विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सुप्रीमो मुकेश सहनी ने बड़ा ऐलान कर दिया है। सहनी ने साफ कर दिया है कि उनकी पार्टी बिहार के पूर्वी चंपारण सहित चंपारण के अधिकांश क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कहा कि वीआईपी पार्टी चंपारण की 21 विधानसभा सीटों में से अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ेगी और मोतिहारी विधानसभा सीट भी उनकी पार्टी की प्राथमिकता में शामिल है।

मुकेश सहनी पूर्वी चंपारण के मुख्यालय मोतिहारी दौरे पर पहुंचे। एक सप्ताह में यह उनका दूसरा दौरा था। इस बार वे मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र के वरदहा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमानजी के नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लिया और पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय सचिव वरुण विजय भी मौजूद थे।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद मुकेश सहनी ने गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मोतिहारी लोकसभा सीट के अंतर्गत छह विधानसभा सीटें आती हैं। पिछली बार हमने लोकसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन कमजोर उम्मीदवार के चलते हार गए। अब हम इन सभी छह विधानसभा सीटों पर वीआईपी पार्टी के उम्मीदवार उतारेंगे। इस बार पूरी ताकत और संसाधन के साथ चुनाव में उतरेंगे और जीतकर सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

चंपारण में पार्टी की अच्छी पकड़

मुकेश सहनी ने आगे कहा कि चंपारण में वीआईपी पार्टी की अच्छी पकड़ है। उन्होंने दावा किया, चंपारण में कुल 21 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से ज्यादातर सीटों पर हम चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी। इस बार हम ऐसे उम्मीदवार उतारेंगे जो जीत के बाद विधानसभा में मजबूती से आपकी आवाज उठाएंगे।

मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर भी सहनी ने बेबाकी से कहा कि अगर दरभंगा और चंपारण को संभाल लिया

सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता

जाए तो बिहार में सरकार बनाने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा, दरभंगा में हम खुद हैं और चंपारण में आप सब हमारे साथ हैं। अगर ये दोनों जगह मजबूत हो गईं, तो हमें बिहार में सरकार बनाने से कोई रोक नहीं सकता है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का बड़ा आरोप अमेरिका भारत को कर रहा है ब्लैकमेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाने का आदेश दिया। इसे लेकर कांग्रेस नेता पवन खे?ा ने कहा कि क्या हम ऐसी स्थिति में आ गए कि अमेरिका हमें ब्लैकमेल करे।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने हैरानी जताते हुए कहा कि हम ऐसी स्थिति में आ गए कि अमेरिका हमें ब्लैकमेल कर रहा है। भारत कभी भी इस तरह की ब्लैकमेलिंग के आगे नहीं झुका है। इंदिरा गांधी के दौर को याद करना चाहिए और प्रधानमंत्री मोदी को उससे कुछ सीखना चाहिए। पिछले 11 साल में पीएम मोदी ने अपनी छवि के आगे देश के हितों को कम माना है। हालांकि, हम उम्मीद करते हैं कि पीएम मोदी इस बार हिम्मत दिखाते हुए मजबूती से देश के हितों को सामने रखकर बात करेंगे।

यूक्रेन युद्ध और रूस पर प्रतिबंध इससे पहले व्हाइट हाउस ने कहा कि भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाने का यह कदम यूक्रेन युद्ध के चलते रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को और प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जिसे अब आधिकारिक रूप से लागू किया जा रहा है।

भारत अपने हितों की करेगा रक्षा

अमेरिकी टैरिफ पर विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाना दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अमेरिका ने हाल के दिनों में रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात मार्केट फैक्टर पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं।

गुजरात में यूसीसी लागू करने की तैयारी तेज

» यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इसे मुद्दों से भटकाना बताया

» महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए सरकार पर लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुजरात में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी तेज हो चुकी है। अगले महीने इसको लेकर गठित समिति अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप सकती है। इसको लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है।

अजय राय का महंगाई और विकास के मुद्दो लेकर सरकार पर हमला उन्होंने कहा कि सरकार जब कोई काम नहीं कर पाती और चीजों को छिपाना पड़ता है तब इसी तरह के मुद्दे लेकर आते हैं। सरकार महंगाई और विकास की बात नहीं करेगी। गुजरात में पुल गिर गया, कितने लोगों की जान चली गई। उस पर सरकार बात नहीं करती केवल जनता को भ्रमित करने और ठगने का काम सरकार करती है।

उत्तर प्रदेश के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि हम स्वतंत्रता अभियान शुरू करेंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि हम महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाले ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन को चिह्नित करते हुए आठ अगस्त से एक महीने का स्वतंत्रता अभियान शुरू कर रहे हैं। अभियान काकोरी से शुरू होगा, जहां हम अंग्रेजों की गोली का शिकार हुए शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। हम उनके बलिदान का सम्मान करने और भारत की स्वतंत्रता में उनके योगदान को याद करने के लिए उन स्थानों का दौरा करेंगे।

पुल गिर रहे हैं पहाड़ दरक रहे हैं

अजय राय ने कहा कि विकास के नाम पर पहाड़ों का विनाश हो रहा है। उन्होंने उत्तराखंड में बादल फटने की आपदा को लेकर कहा कि सरकार टनल और सड़कों के नाम पर पहाड़ों को बर्बाद कर रही है यह उसी का परिणाम है। अजय राय ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे को लेकर भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर काम कर रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान 543 सीटों पर काउंटिंग हुई 542 के हर राउंड को दिखाया गया। वाराणसी का हर राउंड नहीं दिखाया गया ऐसा क्यों? इसका जवाब चुनाव आयोग को देना चाहिए।

अमित मालवीय के बयान पर आग बबूला हुईं ममता बनर्जी

» कहा, अमित मालवीय की हिम्मत कैसे हुई बंगाली भाषा का अपमान करने की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी नेता अमित मालवीय के बयान पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आग बबूला हो गयी है। मालवीय ने बयान दिया था कि भारत में बांग्ला भाषा नाम की कोई भाषा नहीं है। उन्होंने कहा है कि वास्तव में बंगाली कोई एक समान भाषा नहीं है बल्कि यह एक सांस्कृतिक और जातीय पहचान को प्रतिबिंबित करता है।

मालवीय के इस बयान को लेकर बंगाल की राजनीति का तापमान बढ़ गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा नेता अमित मालवीय पर इसको लेकर हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि उनकी हिम्मत कैसे हुई कि वे कहें कि बंगाली जैसी कोई भाषा नहीं है? उनके पास अपनी एक राक्षसी भाषा है जिसे गलत सूचना कहते हैं और वह उसका इस्तेमाल करके लोगों को बांटते हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

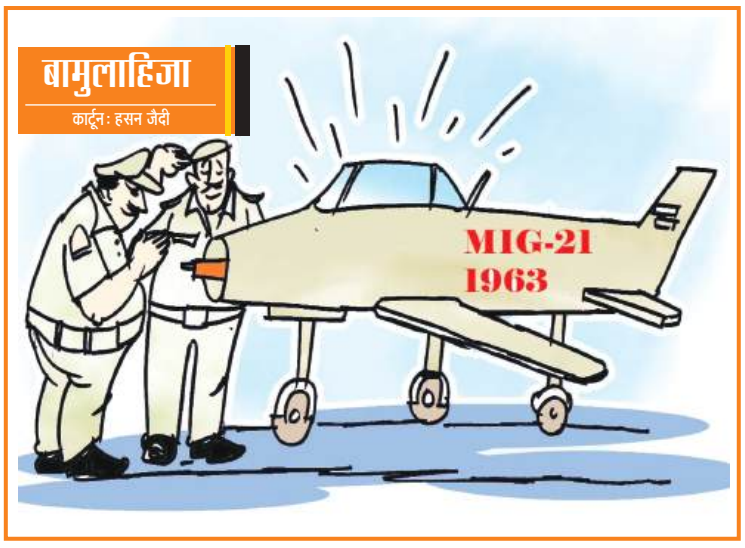

अलका लांबा-सुप्रिया श्रीनेत ने भरी हुंकार

कांग्रेस संगठन को मिल रहा नया तेवर!

» मोदी की उल्टी गिनती शुरू! 27 में पता साफ होगा?

» कांग्रेस के दांव से हिली बीजेपी, मोदी को सताया हार का डर!

4पीएम न्यूज नेटवर्क

गुजरात। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने संगठन को मजबूत करने और 2027 के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को कड़ी चुनौती देने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। गुजरात के आणंद में आयोजित 'संगठन सृजन अभियान' के तहत जिला अध्यक्ष प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस की तेज-तर्रार नेत्री अलका लांबा और सुप्रिया श्रीनेत ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इस शिविर में कांग्रेस ने अपनी रणनीति को और धारदार बनाने का संकल्प लिया। जिसमें जिला स्तर पर संगठन को मजबूत करना और बीजेपी की नीतियों की नाकामियों को जनता तक पहुंचाना शामिल है।

आपको बता दें कि कांग्रेस पार्टी का यह अभियान न केवल संगठन को नई ताकत दे रहा है बल्कि यह भी संदेश दे रहा है कि 2027 में बीजेपी और नरेंद्र मोदी की सत्ता की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। अलका लांबा और सुप्रिया श्रीनेत ने इस मौके पर बीजेपी सरकार की विफलताओं को उजागर करते हुए कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जनता के बीच जाने का आह्वान किया। गुजरात चुनाव दो हजार सत्ताइस से पहले कांग्रेस के गुजरात में एक्टिव होने से बीजेपी और मोदी की टेंशन बढ़ गई है और विपक्ष के एक्टिव होने से बीजेपी की नींव हिलना शुरू हो गई है। कांग्रेस ने बीजेपी की मानसिकता को जनता के बीच में उजागर करना शुरू कर दिया है।

बता दें कि मोदी ने सत्ता में आने से पहले देश और गुजरात की जनता से तमाम वादे किए थे लेकिन सत्ता में आने के बाद सभी वादे भूल गए और जनता को उनके हाल पर छोड़ दिया। गुजरात में लगातार दो दशक से बीजेपी की सरकार होने के बावजूद गुजरात की जनता जलभराव, टूटी सड़क, पानी, बिजली सहित तमाम समस्याओं से जूझ रही है। जिसके चलते अब गुजरात की जनता ने बीजेपी को सत्ता बेदखल करने का मन बना लिया है जिससे बीजेपी की चुनौती और बढ़ गई है। वहीं कांग्रेस ने बीजेपी की 'संकल्प से सिद्धि तक' अभियान की भी आलोचना की, जिसे बीजेपी ने 9 जून 2025 को शुरू किया था। इस अभियान में बीजेपी ने अपनी उपलब्धियों को गिनाने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस ने इसे जनता को गुमराह करने की रणनीति करार दिया। बता दें कि 'संगठन सृजन अभियान' के तहत कांग्रेस ने पांच स्तरों पर संगठन को मजबूत करने की योजना बनाई है। जिला, ब्लॉक, मंडल, न्याय पंचायत और बूथ। इस अभियान के तहत बूथ कमेटियों के गठन के लिए 90 दिन का समय निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, हर जिले में कानूनी सलाह शिविर, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि जनता के साथ सीधा जुड़ाव बनाया जा सके।

एक साल के भीतर भरेंगे आरक्षित पदों को : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कांग्रेस के 'न्याय पत्र' का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने कहा कि हम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों को एक साल के भीतर भरेंगे। हम शिक्षा और नौकरियों में 10 फीसदी श्ध्द्धर आरक्षण को सभी समुदायों के लिए लागू करेंगे। बता दें कि बीजेपी की नीतियों और संगठनात्मक रणनीति पर नजर डालें तो यह साफ है कि पार्टी अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की कोशिश कर रही है। 'संकल्प से सिद्धि तक' अभियान के तहत बीजेपी ने जिला स्तर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस और मंडल स्तर पर योग शिविर जैसे कार्यक्रम आयोजित किए लेकिन इनका जनता पर ज्यादा असर नहीं पड़ा।

जनविरोधी हैं केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियां : अलका

वहीं कांग्रेस ने इस शिविर में बीजेपी सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। अलका लांबा ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों को जनविरोधी करार देते हुए कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 11 सालों में सिर्फ बड़े उद्योगपतियों का भला किया है। किसान, मजदूर, युवा और महिलाएं आज हाशिए पर हैं। बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असमानता चरम पर है। सुप्रिया श्रीनेत ने भी बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार की नीतियां सिर्फ दिखावे की हैं। सबका साथ, सबका विकास का नारा खोखला साबित हुआ है। गुजरात में बीजेपी ने विकास के नाम पर सिर्फ जुमलेबाजी की है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मोर्चे पर गुजरात मॉडल पूरी तरह फेल हो चुका है।

'जनता तक सच्चाई पहुंचानी होगी'

आपको बता दें कि अलका लांबा और सुप्रिया श्रीनेत कांग्रेस की उन नेत्रियों में से हैं जो अपनी बेबाकी और जुझारूपन के लिए जानी जाती है। अलका लांबा ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी सरकार ने गुजरात को सिर्फ कॉरपोरेट्स का गढ़ बनाया है। आम जनता के लिए उनके पास कोई ठोस नीति नहीं है। हम जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को उठाएंगे और समाधान पेश करेंगे। बता दें कि सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि आज की राजनीति में सोशल मीडिया एक बड़ा हथियार है हमें बीजेपी की झूठी प्रचार मशीनरी का जवाब देना होगा और जनता तक सच्चाई पहुंचानी होगी।

अभियान का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना

कांग्रेस का 'संगठन सृजन अभियान' पार्टी के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना और जनता के बीच पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। गुजरात के आणंद में 26 से 28 जुलाई 2025 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को संगठन की रीढ़ बनाने पर जोर दिया गया। इस शिविर का उद्घाटन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किया, जिन्होंने कार्यकर्ताओं को गुजरात में बीजेपी को हराने की चुनौती दी। वहीं अलका लांबा ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस का संगठन हमारी ताकत है, जिला अध्यक्ष हमारी नींव हैं और उन्हें सशक्त करना हमारी प्राथमिकता है। बीजेपी की जनविरोधी नीतियों ने देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर किया है। अब समय आ गया है कि हम जनता के बीच जाकर उनकी आवाज बनें। वहीं सुप्रिया श्रीनेत ने भी कार्यकर्ताओं में जोश भरा और कहा कि 2027 में हम बीजेपी को गुजरात में करारी शिकस्त देंगे। यह अभियान हमें नई ऊर्जा देगा और जनता के बीच कांग्रेस की नीतियों को ले जाएगा। वहीं, कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सकि्रय करने और जनता के बीच विश्वास बहाल करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। गुजरात में बीजेपी का गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी कांग्रेस की सकि्रयता बढ़ रही है। यह अभियान न केवल संगठन को मजबूत कर रहा है बल्कि कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भी भर रहा है।

'गुजरात में बीजेपी को हराना हमारा लक्ष्य'

जिलाध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने बलिया में आयोजित एक बैठक में कहा कि हमारा लक्ष्य है जन जोड़ो, जन संघर्ष और जन विकल्प का संकल्प। हम बूथ स्तर पर मतदाता सूची पर काम करेंगे और बीएलए-1 और बीएलए-2 की नियुक्ति करेंगे। यह रणनीति कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में मदद करेगी। वहीं राहुल गांधी ने आणंद में अपने संबोधन में कहा कि गुजरात में बीजेपी को हराना हमारा लक्ष्य है। यह वही गुजरात है जहां से बीजेपी ने देश में अपनी सत्ता की नींव रखी थी। अब समय आ गया है कि हम इसे उखाड़ फेंकें और उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के बीच जाकर बीजेपी की नाकामियों को उजागर करें और कांग्रेस की नीतियों को प्रभावी ढंग से पेश करें। कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान न केवल पार्टी के लिए एक नई शुरुआत है बल्कि यह बीजेपी के लिए एक बड़ी चुनौती भी है। अलका लांबा और सुप्रिया श्रीनेत जैसे नेताओं की अगुवाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया जोश और उत्साह देखने को मिल रहा है। 2027 के विधानसभा चुनावों में गुजरात बीजेपी और कांग्रेस के बीच एक बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। क्या कांग्रेस वाकई बीजेपी को उसके गढ़ में मात दे पाएगी, क्या 2027 में नरेंद्र मोदी और बीजेपी की सत्ता की उलटी गिनती शुरू हो जाएगी। ये सवाल अभी भविष्य के गर्भ में है। लेकिन कांग्रेस का यह अभियान निश्चित रूप से राजनीतिक माहौल को गर्माने वाला है।

बीजेपी के लिए यह अभियान एक खतरे की घंटी

वहीं कांग्रेस का यह अभियान 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रहा है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह बीजेपी को उसी के गढ़ में चुनौती देगी। राहुल गांधी ने पिछले साल गुजरात में कहा था कि आप लिख लीजिए, इस बार हम आपको गुजरात में हराएंगे। यह बयान अब कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के लिए एक मंत्र बन चुका है। वहीं, बीजेपी के लिए यह अभियान एक खतरे की घंटी है। गुजरात में बीजेपी की सत्ता को चुनौती देना आसान नहीं है, लेकिन कांग्रेस की नई रणनीति और कार्यकर्ताओं का उत्साह इसे संभव बना सकता है। बीजेपी की नीतियों, खासकर आर्थिक मोर्चे पर नाकामी जैसे बेरोजगारी और महंगाई, कांग्रेस के लिए एक बड़ा अवसर है। कांग्रेस का इतिहास भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा हुआ है। 1885 में स्थापित यह पार्टी देश की आजादी की लड़ाई में सबसे आगे रही। जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह जैसे नेताओं ने देश को नई दिशा दी। आज राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस एक बार फिर अपने गौरवशाली इतिहास को दोहराने की कोशिश में है। बता दें कि 'संगठन सृजन अभियान' के तहत कांग्रेस न केवल संगठन को मजबूत कर रही है बल्कि जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता को भी बहाल करने की कोशिश कर रही है, पार्टी का 'न्याय पत्र' सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार और समावेशी विकास पर केंद्रित है जो बीजेपी की नीतियों के खिलाफ एक मजबूत विकल्प पेश करता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

तेल के खेल में भारत की घुटती कूटनीति

रूस, भारत और अमेरिका के हालिया रिश्तों ने यह साफ कर दिया है कि भारत की विदेश नीति अब आत्मनिर्भरता नहीं, अवसरवाद की दलदल में फंसी दिख रही है। रूस से सस्ता तेल खरीदना एक समय पर समझदारी लग सकता था लेकिन आज यह एक दुविधा बन गया है। भारत अमेरिका के दबाव में झुकता नहीं दिखना चाहता पर पूरी तरह रूस के पाले में जाने की हिम्मत भी नहीं जुटा पा रहा। सरकार बार-बार रणनीतिक संतुलन की बात करती है लेकिन हकीकत यह है कि भारत अब तेल आधारित निर्भरता के जाल में फंस चुका है। बता दें कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और उसकी ऊर्जा जरूरतें विशाल हैं। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए, जिसके चलते रूसी तेल की कीमतें वैश्विक बाजार में कम हो गईं।

तब भारत ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए रूस से सस्ता तेल खरीदना शुरू किया। मई 2025 में भारत ने रूस से 1.96 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल आयात किया, जो उसके कुल तेल आयात का 38 प्रतिशत से अधिक था। इससे भारत ने न केवल अरबों डॉलर की बचत की, बल्कि घरेलू स्तर पर महंगाई को नियंत्रित करने में भी मदद मिली। अमेरिका और उसके सहयोगी देश रूस की युद्ध अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए तेल और गैस की बिक्री पर अंकुश लगाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं रूस भारत को डिस्काउंट के नाम पर गहराई से बांध रहा है जबकि अमेरिका भारत को चीन विरोधी मोर्चे में खींचने की कोशिश कर रहा है। सवाल यह है कि भारत अपनी ऊर्जा नीति को विदेशी दबावों से कब आजाद करेगा? सरकार की चुप्पी और दोतरफा खेल ने देश की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह रणनीति नहीं भ्रम है और इसका खामियाजा आने वाले वर्षों में भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय साख के रूप में चुकाना पड़ सकता है। इसके साथ ही भारत की यह तथाकथित बहु-ध्रुवीय नीति अब एक भ्रम बनती जा रही है। न तो हमें रूस पूरी तरह सम्मान देता है और न ही अमेरिका भारत को अपने बराबर का साझेदार मानता है। तेल के नाम पर जो कूटनीतिक सौदेबाज़ी चल रही है वह आने वाले समय में भारत की ऊर्जा सुरक्षा और विदेश नीति दोनों को गंभीर खतरे में डाल सकती है। सरकार को अब यह तय करना होगा कि वह आत्मनिर्भरता की बात सिर्फ मंचों पर करेगी या फिर उसे अपनी विदेश नीति में भी उतारेगी।

“ भारत अमेरिका के दबाव में झुकता नहीं दिखना चाहता पर पूरी तरह रूस के पाले में जाने की हिम्मत भी नहीं जुटा पा रहा। सरकार बार-बार रणनीतिक संतुलन की बात करती है लेकिन हकीकत यह है कि भारत अब तेल आधारित निर्भरता के जाल में फंस चुका है। बता दें कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और उसकी ऊर्जा जरूरतें विशाल हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कल्पनाशील प्रबंधन व तकनीक रोकेगी हादसे

उमेश चतुर्वेदी

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ की सुर्खियों की स्याही अभी सूखी नहीं कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से भी भगदड़ की खबर आ गई है। ऐसी घटनाएं जब भी होती हैं तो एहतियाती कदम उठाए जाने की प्रशासनिक तंत्र की ओर से घोषणाएं होती हैं। कुछ दिन में देश ऐसी घटनाओं को भुला देता है। अभी भूलने और भुलाने का यह खेल जारी ही रहता है कि कोई नई घटना आ जाती है और एहतियाती कदमों का ऐलान महज हवा-हवाई बनकर रह जाता है। वर्ष 2025 में ही सात घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें आधिकारिक तौर पर 81 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं।

दिलचस्प यह है कि ये घटनाएं कुंभ जैसे भीड़भाड़ वाले सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन में तो हुई हीं, राष्ट्रीय राजधानी के रेलवे स्टेशन से लेकर गोवा जैसे कम जनसंख्या वाले राज्य में भी घटीं। आंकड़ों के अनुसार नई सदी के बाईस साल में 23 बार भगदड़ मची, जिनमें करीब डेढ़ हजार लोगों को जान गंवानी पड़ी। इन घटनाओं में घायल लोगों में से कई दिव्यांग बन गए तो कई को ऐसा मानसिक आघात लगा कि उससे अभी तक उबर नहीं पाए हैं। दरअसल, भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं प्रशासनिक तंत्र की खामी की वजह से होती हैं। मसलन, 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर घटी घटना की वजह रेलवे अधिकारियों की सोच रही, जिन्होंने आनन-फानन में ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदल दिया और उसमें जगह पाने के लिए लोग दौड़ पड़े। बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में अधिकारियों का कल्पनाशील और अनुमानशील होना जरूरी माना जाता है। लेकिन भारतीय प्रशासनिक ढांचे में इस कल्पनाशीलता की अक्सर कमी नजर आती है। उसमें भावी संकटों और समस्याओं का अनुमान लगाने के लिए जरूरी सोच की कमी है। वह किसी समस्या का अंदाजा लगाकर उसे शुरू में रोकने और व्यवस्थित करने की बजाय आखिरी छोर पर निपटने की सोच से लगातार लैस रहता है।

लोगों की भीड़ को मेले में घुसने से पहले व्यवस्थित करने और उसे रोकने में भारतीय प्रशासनिक तंत्र की दिलचस्पी कम होती है। जब मेले में भीड़ बढ़ जाती है तो मेले वाली जगह के दरवाजे पर वह अचानक से रोक लगा देता है। होना यह चाहिए कि मेले की ओर जाने वाले रास्ते पर भीड़ को

देखते हुए रोक लगा दी जाए। दरवाजे पर भीड़ को रोकने से मेले में भीड़ भले ही न घुसे, लेकिन पीछे से आ रहे रेले पर रोक नहीं लग पाती। इससे बैरिकेड वाली जगह पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। पीछे वाली भीड़ के दबाव के चलते एक वक्त ऐसा आता है कि बैरिकेड का कोई मतलब नहीं रह जाता। प्रयागराज की भगदड़ की भी वजह यही थी। भीड़ पीछे नहीं रोकी गई, स्नान केंद्र के पास रोकी गई। इसकी वजह से बैरिकेड पर दबाव बढ़ा और पीछे से आए रेला ने इसकी परवाह नहीं की कि कौन गिरा है और किसके पेट, पीठ या सिर पर उसका पैर पड़ रहा है। उत्तर भारत में मंदिरों तक में वीआईपी संस्कृति का बोलबाला है। इसकी तुलना में दक्षिण भारतीय मंदिरों में वीआईपी संस्कृति कुछ कम है। इसलिए उत्तर के मंदिरों और धार्मिक मेले-ठेले में अनुशासनहीन भीड़ की बहुलता होती है। चूंकि प्रशासनिक तंत्र कल्पनाशीलता से उन्हें व्यवस्थित नहीं कर पाता, लिहाजा भगदड़ की दुर्भाग्यजनक घटनाएं हो जाती हैं। भारत में एक बड़ी समस्या यह है कि भीड़ को अनुशासित करने का संस्कार और शिक्षण पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर नहीं है। इसकी वजह से मौका पाते ही हर व्यक्ति रसूख के साथ भीड़ से निकलना चाहता है या फिर अपना वर्चस्ववादी स्वभाव दिखाना चाहता है। प्रशासनिक तंत्र इस मानस के आगे कभी रसूख देख झुक जाता है तो कभी वह सोच भी नहीं पाता कि इसके नकारात्मक असर क्या-क्या हो सकते हैं। इस संकट का समाधान राष्ट्रीय स्तर पर एक मुकम्मल नीति बनाने और उसे कड़ाई से लागू करने की जरूरत है।

आज के दौर में तकनीक ने तमाम समस्याओं के समाधान की नई राहें भी निकाली हैं। नीतिगत स्तर पर प्रशासनिक तंत्र को तकनीक के इस्तेमाल के लिए तैयार किया जाना होगा। प्रशासनिक तंत्र को इसके लिए प्रशिक्षित किया जाना होगा कि तकनीक के इस्तेमाल से वे ठीक से पता लगा पाएं कि किस बिंदु पर भीड़ को रोका जाना चाहिए, कहां बैरिकेडिंग करके भीड़ को नियंत्रित किया जाना चाहिए। स्कूली स्तर से ही इस दिशा में शिक्षा और संस्कार देना होगा। वीआईपी संस्कृति पर पूरी तरह रोक लगाना भी इस दिशा में बेहद जरूरी कदम होना चाहिए। इसके साथ ही अफवाहों पर लगाम लगाने के मुकम्मल इंतजाम होने चाहिए।

लोकतांत्रिक मूल्यों से संचालित भारतीय वैश्विक नीति

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

उपनिवेशवाद न केवल धन-दौलत लूटता है, बल्कि गरिमा भी खंडित कर देता है। यह पराधीन राष्ट्रों को खुद पर संदेह करना, अपने सहज ज्ञान को नकारना और मान्यता पाने को दूसरे देशों की ओर तकना सिखाता है। भारत के लिए, यह घाव महज चुराए गए अन्न या लूटे गए खजाने का नहीं था। यह मानसिकता में कहीं ज्यादा गहरे तक बदलाव करने वाला रहा - यह धारणा बना देना कि शासन, व्यवस्था और नैतिकता विदेशों की देन है। तथापि, जब स्वतंत्रता मिली, तो भारत ने अपने उत्पीड़कों का अनुकरण नहीं किया। इसने प्रतिशोध को सिद्धांत या बहिष्कार को नीति के रूप में नहीं अपनाया। विभाजन की राख में, भीषण गरीबी और टुकड़े हुए उपमहाद्वीप के बीच, भारत ने एक क्रांतिकारी निर्णय लिया- अपने लोगों पर पूर्णतया भरोसा करने का।

केवल पुरुषों पर ही नहीं, पढ़े लिखों पर ही नहीं, केवल पैसे वाले अमीरों पर नहीं बल्कि सभी पर। वयस्क नागरिकों के लिए समान मताधिकार कोई क्रमिक रियायत नहीं थी। यह आधारभूत हक था। अमेरिका द्वारा मताधिकार अधिनियम पारित करने से भी पहले, कई यूरोपीय मुल्कों द्वारा अपने नागरिकों को पूर्ण मताधिकार प्रदान करने से भी पूर्व, भारत अपने प्रत्येक नागरिक को आवाज़ दे चुका था। अपने जन्म के समय से ही, हमारा लोकतंत्र एक उधार लिया हुआ विचार न होकर सभ्यतागत सत्यापना थी। लेकिन समय का अपना तरीका है नैतिक स्मृति की परीक्षा लेने का। आज, वही शक्तियां जो कभी हमें लिबर्टी का पाठ पढ़ाया करती थी, अब अपनी उन्हीं लोकतांत्रिक नसीहतों पर कायम रहने के लिए हाथ-पैर मार रही हैं। जिन बाजारों को उन्होंने कभी मुक्त बनाया था, अब उसी को डिजिटल दीवारों और टैरिफ बैरिकेड्स की ढाल के पीछे महफूज बना रही हैं। सबके लिए जिस स्वतंत्रता का कभी वे जोर-शोर से प्रचार करती थीं, अब चुन-चुनकर राष्ट्रों पर प्रतिबंध लगा रही हैं, इसमें सहयोगियों को छूट तो अन्य को नहीं।

करुणा सशर्त बन गयी। व्यापार जोर-जबरदस्ती करने का औजार बन गया है। अब यदि लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं मुक्त बाजार पर हमला कर रही हैं, आवाजों को दबा रही हैं, टैरिफ का बाजा बजा रही हैं, तुरत-फुरत महानता पाने को, आतंकवादी शासनों से दोस्ती कर रही हैं और अपनी ही दी नैतिक नसीहतों को दरकिनार कर रहीं, तब फिर उन हस्ताक्षरों का क्या मोल, जो वे सकंल्पपत्रों पर और सम्मेलनों में बड़े गर्व से करती हैं? बहुपक्षीय मंचों में, हम देखते हैं कि घोषणाओं को साजिशन कुंद किया जाता है। मानवाधिकारों को लाभ उठाने के औजार होने तक सीमित कर दिया गया है। जलवायु परिवर्तन के वादे दोहराए जाते हैं, लेकिन फिर चुपचाप एक तरफ सरका दिए जाते हैं। शरणार्थियों का अमानवीयकरण किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों पर खुलेआम बेजा पुलिसिया दबाव रखा जा रहा है। युद्धों का मूल्यांकन उनकी मानवीय कीमत से नहीं, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि हथियार किसके हाथ में है। इस बीच, भारत कई लोगों के लिए पहेली बना हुआ है। विकासशील और लोकतांत्रिक। कुछ गड़बडियां है, फिर भी वजूद कायम है। विशाल, फिर भी शायद ही कभी साम्राज्यवादी हसरतें। हमने उन लोगों का तिरस्कार अंगीकार किया जिन्हें हमारे तौर-तरीके की समझ नहीं थी।

हमने उन लोगों की उदासीनता को झेला है जिन्होंने हमारी आवाज को खारिज कर रखा था। फिर भी अपने लोगों और दुनिया के साथ बनाए मौन अनुबंध में हमने अपना विश्वास नहीं खोया। हम परिपूर्ण नहीं हैं। खामियां हममें भी हैं। लेकिन हम दिखावा नहीं करते। और यही अंतर मायने रखता है। वैश्विक व्यवस्था में हमारी आमद इसके पाखंडों की विरासत अपनाने के लिए नहीं हुई। हम इसकी निराशावादिता को प्रतिबिंबित करने की एवज में मंच पर अपनी जगह नहीं चाहते। और हमें उनके भाषण की कतई जरूरत नहीं है जो यादों को सुविधानुसार बरतते हैं और न्याय को सौदेबाजी के औजार के रूप में। हमारे संयम को अक्सर मौन समझा जाता है व हमारी सभ्यता को दासता प्रवृत्ति। लेकिन भारत के सभ्यागत दिशा सूचक की सुई वैश्विक स्वीकृति की तरंगों मुताबिक नहीं हिलती। इसकी जड़ें बैलेंस शीट और शिखर सम्मेलन की घोषणाओं से कहीं गहरी हैं। आत्म-सुधार इसका जन्मजात गुण है। और अब, जबकि दुनिया अपने ही अंतर्विरोधों के बोझ तले चरमरा रही है, तो प्रलोभन दिया जाएगा कि हम पीछे हट जाएं, दूसरों को पुन: दुनिया की इबारत तय करने दें और विनम्र सम्मानवश सहमति का सिर हिलाते रहें। लेकिन वह युग बीत चुका है। हाथी की यादाश्त बहुत होती है: उसे 1947 याद है, जब हमने अधिनायकवादी शासन की बजाय लोकतंत्र को चुना।

उसे 1971 याद है, जब पड़ोस में नरसंहार के खिलाफ अकेले हम खड़े हुए थे। उसे 1991 याद है, जब हमने न केवल अपनी अर्थव्यवस्था, बल्कि अपने आत्मविश्वास का भी पुनर्गठन किया था। उसे 1998 याद है, जब साधन संपन्न राष्ट्र परमाणु ताकत को वैश्विक श्रेष्ठता का पैमाना मानते थे, और विशिष्ट समूह में हम जबरदस्ती घुसे, किंतु परमाणु हथियार पहले इस्तेमाल न करने की घोषणा की। और दुनिया ने हाल में ऑपरेशन सिंदूर देखा। हमने जो भी किया, संयम और संकल्प इसकी कुंजी रही। हमने महाशक्तियों की घुड़कियां सुनी, आक्रामकता भरी भौंक सुनी, अवसरवादिता की तीखी चीखें भी। लेकिन दुनिया ने अभी तक हाथी की चिंघाड़ नहीं सुनी है, युद्धघोष के रूप में नहीं, बल्कि स्मृति, नैतिकता और दिशा का आह्वान करने वाली। वह समय अब आ गया है : इसलिए नहीं कि हम कुछ थोपना चाहते हैं, बल्कि इसलिए कि हमें नकल करने से इन्कार है। वार्ता में हावी होने के लिए नहीं, बल्कि उसे किसी ऐसे ठोस लंगर से बांधने को, जो मुनाफे की बजाय चिरकालिक अधिक हो।

रक्षाबंधन

पर घरवालों का जीतना है दिल तो बनाएं

पिस्ता कुल्फी

रक्षाबंधन का त्योहार हर किसी के लिए बेहद खास होता है। इस दिन बहनें अपनी भाईयों को खुशी-खुशी राखी बांधती हैं और उन्हें उसके बदले में रक्षा के वचन के साथ-साथ कई तोहफे मिलते हैं। इस दिन को और खास बनाने के लिए लोग अपने घरों में कई तरह के पकवान बनाते हैं। खुशियों के इस त्योहार को सेलिब्रेट करने के लिए लोग बाजार से मिठाईयां लाते हैं। बहुत से लोगों को ज्यादा मिठाईयां नहीं पसंद तो वो आइसक्रीम लाते हैं। बाजार में मिलने वाली आइसक्रीम में कई तरह के केमिकल मिले होते हैं। घर पर ही मजेदार पिस्ता कुल्फी बनाना बेहद आसान है। अगर आप घर पर पिस्ता कुल्फी तैयार करेंगे तो इसे खाकर हर कोई खुश हो जाएगा।

सामाग्री

दूध फुल क्रीम एक लीटर
चीनी आधा कप
केसर एक छोटा चम्मच
हरी इलायची चार से पांच
बादाम 10 से 15
पिस्ता कटे हुए 3 बड़े चम्मच।

विधि

कुल्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक लीटर दूध को एक बर्तन में डालकर उबाल लें। इसे तब तक उबालना है, जब तक ये आधा ना हो जाए। जब ये गाढ़ा हो जाएगा तो इसका रंग बदलना शुरू हो जाएगा। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो इसमें चीनी और केसर के धागे डालकर 4 से 5 मिनट के लिए चलाएं। दूध लगातार चलाने के बाद इसमें हरी इलायची का पाउडर डालकर गैस बंद कर दें। इसी दौरान कटे हुए पिस्ता दूध में डालें। अगर आप कुल्फी में मेवे डालना चाहते हैं तो दूध में अब कटे हुए मेवे डाल दें। इसके बाद दूध को ठंडा करके इसे कुल्फी के सांचे में डाल दें। अब सही तरह से सांचे को फ्रिज में जमने के लिए रख दें। 4 से 5 घंटे जमने देने के बाद कुल्फी को चेक करें। जब ये अच्छे से जम जाए तो इसे निकाल कर परोसें। आप चाहें तो कुल्फी के ऊपर पिस्ता रखकर उसे सजा सकते हैं।

भैया को करना है खुश तो बनाएं गुलाब जामुन

त्योहार कोई सा भी हो, उसके आने के कई दिन पहले से ही बाजारों में रौनक दिखने लगती है। हर त्योहार से पहले महिलाएं जमकर खरीदारी करने बाजार पहुंचती हैं। अगर बात करें इस महीने के त्योहार की तो अगस्त के अंत में रक्षाबंधन का त्योहार आने वाला है। राखी के इस त्योहार पर लड़कियां अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। ये काफी पावन त्योहार माना जाता है। ऐसे में इस दिन सभी घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। खाने के साथ-साथ महिलाएं अपने घरवालों और खासतौर पर भाई के लिए मिठाई तैयार करती हैं। ऐसी मिठाई जिसे खाना हर किसी को पसंद आता है। इसके साथ ही इसे बनाना काफी आसान है। हम बात कर रह रहे हैं गुलाब जामुन की, इसे आप आसानी से अपने घर पर बना सकती हैं।

सामाग्री

खोया यानी मावा- 1 कप, चीनी- 4 कप, इलायची-3-4, पानी-3 कप, बेकिंग सोडा-1 चुटकी, ड्राई फ्रूट्स- जरूरत के मुताबिक, घी-2 कप

विधि

अगर आप घर पर गुलाब जामुन बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले मावे को अच्छे से मैश कर लें। इस मैश किए हुए मावे में बेकिंग सोडा मिलाकर एक डो तैयार करें। इसके बाद इस डो को मुलायम करने के लिए दो बूंद घी डालें। डो तैयार करते वक्त ये ध्यान रखें कि ये ज्यादा टाइट ना हो। इसके बाद अब इस डो से अपने हिसाब से गुलाब जामुन तैयार कर लें। अब कढ़ाई में घी डालें और उसे सही से गर्म करें। एक बार घी को सही से गर्म करके गैस धीमी कर दें और गुलाब जामुन को इसमें डाल दें। जब ये तैयार हो रहे हैं, तब तक गुलाब जामुन की चाशनी तैयार करें। चाशनी तैयार करने के लिए पानी और चीनी को मिलाकर पकाएं। खूशबू के लिए इसमें इलायची पाउडर डाल दें। जब गुलाब जामुन सही से सुनहरे हो जाएं तो इसे निकालकर चाशनी में डाल दें। कुछ समय बाद गुलाब जामुन को चाशनी से निकालकर इस पर मेवे डालें और गर्मागर्म ही परोसें।

हंसना मना है

अर्थी से मुर्दा भी उस वक्त खड़ा हो गया जब पीछे से रोती हुई पत्नी बोली कि मैंने कभी भी उन्हें कोई तकलीफ नहीं दी...

पति- डॉक्टर ने चाय फीकी पीने को कहा है। पत्नी- अलग-अलग चाय नहीं बनाऊंगी, लड्डू खा कर पी लेना, फीकी लगेगी...पति बेहोश...

एक सर्वे में पुरुषों से पूछा गया, क्या 40 के बाद गर्लफ्रेंड रखनी चाहिए? 97 प्रतिशत पुरुषों का कहना था- नहीं, 40 गर्लफ्रेंड काफी होती हैं...

लड़का- शादी कर ले मुझसे! लड़की- क्यों? लड़का- मेरा बाप गांव का सबसे बड़ा आदमी है! शादी के बाद लड़की को पता चला कि लड़के का बाप 105 साल का है..

पत्नी- फोन पर इतनी धीमी आवाज में किस से बात कर रहे हो? पति- बहन है! पत्नी- तो फिर इतनी धीमी आवाज में किसलिए? पति- तेरी है इसलिए! फिर बीवी ने कुछ ऐसा किया जिसके कारण चार दिन तक पति की आवाज सुनाई नहीं दी।

कहानी | साधु की सीख

किसी गांव में एक साधु रहा करता था, वो जब भी नाचता तो बारिस होती थी। अतः गांव के लोगों को जब भी बारिस की जरूरत होती थी, तो वे लोग साधु के पास जाते और उनसे अनुरोध करते की वे नाचे। कुछ दिनों बाद चार लड़के शहर से गांव में घूमने आये, जब उन्हें यह बात मालूम हुई की किसी साधु के नाचने से बारिस होती है तो उन्हें यकीन नहीं हुआ। शहरी पढ़ाई लिखाई के घमंड में उन्होंने गांव वालों को चुनौती दे दी कि हम भी नाचेंगे तो बारिस होगी और अगर हमारे नाचने से नहीं हुई तो उस साधु के नाचने से भी नहीं होगी। फिर क्या था अगले दिन सुबह-सुबह ही गांव वाले उन लड़कों को लेकर साधु की कुटिया पर पहुंचे। साधु को सारी बात बताई गयी, फिर लड़कों ने नाचना शुरू किया, आधे घंटे बीते और पहला लड़का थक कर बैठ गया पर बादल नहीं दिखे , कुछ देर में दूसरे ने भी यही किया और एक घंटा बीतते-बीतते बाकी दोनों लड़के भी थक कर बैठ गए, पर बारिश नहीं हुई। अब साधु की बारी थी, उसने नाचना शुरू किया, एक घंटा बीता, बारिश नहीं हुई, साधु नाचता रहा दो घंटा बीता बारिश नहीं हुई। पर साधु तो रुकने का नाम ही नहीं ले रहा था, धीरे-धीरे शाम ढलने लगी कि तभी बादलों की गड़गडाहत सुनाई दी और जोरों की बारिश होने लगी। लड़के दंग रह गए और तुरंत साधु से क्षमा मांगी और पूछा- बाबा भला ऐसा क्यों हुआ कि हमारे नाचने से बारिस नहीं हुई और आपके नाचने से हो गयी? साधु ने उत्तर दिया- जब मैं नाचता हूं तो दो बातों का ध्यान रखता हूं, पहली बात मैं ये सोचता हूं कि अगर मैं नाचूंगा तो बारिस को होना ही पड़ेगा और दूसरी ये कि मैं तब तक नाचूंगा जब तक कि बारिस न हो जाये।

शिक्षा- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि सफलता पाने वालों में यही गुण विद्यमान होता है वो जिस चीज को करते हैं उसमें उन्हें सफल होने का पूरा यकीन होता है और वे तब तक उस चीज को करते हैं जब तक कि उसमें सफल ना हो जाएं। इसलिए यदि हमें सफलता हांसिल करनी है तो उस साधु की तरह ही अपने लक्ष्य को प्राप्त करना होगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। किस्मत मेहरबान रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

वृषभ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। व्यस्तता रहेगी।

मिथुन

पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा।

कर्क

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। शत्रु परास्त होंगे।

सिंह

कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या

वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला

शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु

किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी।

मकर

पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किस्मत मेहरबान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

एक वक्त ऐसा था जब लड़कियां मुझसे दूर भागती थीं : गुलशन

'बाय गॉड, दिल गार्डन गार्डन हो गया', 'जो चीज बिकती नहीं, मैं उसे छीन लेता हूं', 'मैडम माया तेरी तो मैं पलट दूंगा काया' और 'जिंदगी का मजा तो खट्टे में है' जैसे डायलॉग्स से फेमस हुए बॉलीवुड के 'बैड मैन' गुलशन ग्रोवर ने दशकों तक स्क्रीन पर दर्शकों को डराया है। ये वो एक्टर रहे, जिनको लेडी फैन्स नहीं मिलीं। हाल ही में गुलशन ग्रोवर अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी के घर पहुंचे, जहां उन्होंने एक्ट्रेस के व्लॉग में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि कैसे उनके डरावने किरदारों ने स्क्रीन के बाहर भी लोगों को डराया और लोग उनसे प्रभावित हुए। गुलशन ग्रोवर ने अपने फिल्मी करियर, पर्सनल लाइफ और ऑन-स्क्रीन इमेज को लेकर कई दिलचस्प किस्से शेयर किए। इस मुलाकात में उन्होंने बताया कि एक वक्त ऐसा भी था जब लड़कियां उनसे दूर भागती थीं। सिर्फ इसलिए क्योंकि लोग उन्हें फिल्मों के खतरनाक विलेन की तरह असल जिंदगी में भी मान लेते थे। बातचीत के दौरान परमीत सेठी के सवाल पर कि क्या कभी ऐसा हुआ कि लड़कियां उनके पास नहीं आती थीं, गुलशन ने तुरंत हामी भरी और मुस्कुराते हुए कहा, 'जब तक सोशल मीडिया नहीं आया था, कोई लड़की पास नहीं आती थी क्योंकि उन्हें लगता था कि जो स्क्रीन पर देखा वही रियल लाइफ में भी है।' गुलशन ने बताया कि फिल्मों में उनका 'बैड मैन' वाला अंदाज लोगों के मन में ऐसा बैठ गया था कि उन्हें असल जिंदगी में भी खतरनाक समझ लिया जाता था। उन्होंने बताया कि कैसे सोशल मीडिया के आने के बाद चीजें धीरे-धीरे बदलने लगीं। एक मजेदार किस्सा भी उन्होंने सुनाया और कहा, 'जब सोशल मीडिया आया जब मैं एक पार्टी में पहुंचा। अर्चना मुझे मिली और मैंने उसे हग किया, एक और हीरोइन ने देखा और पहले तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ कि फिल्म में तो भाग रही थी और यहां गले मिल रही है, ये क्या बकवास है। फिर धीरे-धीरे लोगों को समझ में आया कि ये सिर्फ एक किरदार निभा रहा है'।

उत्तरकाशी की आपदा देख दुखी हुईं सारा अली खान

उत्तराखंड के उत्तरकाशी के धराली में मंगलवार को भारी बारिश के बाद बादल फटा और भयानक तबाही मच गई। खीर गंगा से आई तबाही में धराली गांव बर्बाद हो गया। पानी के सैलाब और मलबे की चपेट में आने से पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। करीब चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि करीब 70 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस आपदा पर एक्ट्रेस सारा अली खान का दर्द छलका है। अभिनेत्री सारा अली खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उत्तकाशी में बादल फटने के कारण हुई तबाही पर दुख जताया है। उन्होंने कल मंगलवार देर रात इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट साझा कर प्रभावितों के लिए प्रार्थना की। साथ ही आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराने वाले नंबर भी शेयर किए हैं।

सारा अली खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर लिखा है, उत्तराखंड की घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी संवेदना है। मैं सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करती हूं। प्रभावितों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले। संबल मिले। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने उत्तरकाशी जिला आपातकालीन संचालन केंद्र द्वारा बचाव अभियान में मदद के लिए जारी किए गए

आपातकालीन नंबर शेयर किए हैं।

सेना का रेस्क्यू अभियान जारी है। तबाही की चपेट में सेना का कैंप भी आया। कई जवानों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। यहां नदी के किनारे हैलीपैड बना था, वो भी बह गया है। एनडीआरएफ की टीमें मौके पर रेस्क्यू अभियान चला रही हैं। आईटीबीपी की टीमें भी राहत कार्यों में लगी हैं। राज्य और केंद्र सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं।

जिला प्रशासन ने बताया कि देर शाम तक 130 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका था। चार लोगों के मरने की पुष्टि की है। जबकि करीब 70 लोग लापता बताए जा रहे हैं। साथ ही 30 होटल-दुकान-घर मलबे में बहने के कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ मकान मलबे में दब गए हैं, सड़कें धराशायी हो गई हैं। धराली गांव के चारों ओर भयानक तबाही मची है।

काजोल की मराठी में बातचीत पर बवाल, हो रहीं ट्रोल

काजोल अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपना 51वां जन्मदिन मनाया है। इस खास में होगी पर वह एक इवेंट में शामिल हुईं और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान काजोल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इस वीडियो में हिंदी भाषा में न बोलने को लेकर बात करती दिखाई दे रही है। इसके बाद उनकी काफी आलोचना की जा रही है और हिंदी में बात न करने को लेकर एक्ट्रेस को ट्रोल भी किया जा रहा है। आइए जानते हैं यह पूरा मामला क्या है और क्यों

काजोल ने हिंदी में बात करने से इनकार कर दिया है। काजोल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का वो नाम हैं, जो किसी भी मुद्दे पर दबंग अंदाज से अपनी बात रखने के लिए जानी जाती हैं। मंगलवार को मुंबई में एक अवॉर्ड शो इवेंट में काजोल ने शिरकत की है और इस दारौना उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से खुलकर बातचीत की। उन्होंने बातचीत करने के लिए मराठी भाषा का प्रयोग किया।

इसे देखकर कुछ मीडिया गर्मियों ने उनसे हिंदी में बोलने को कहा, जिसको लेकर उन्होंने साफ मना कर दिया और कहा- अब मैं हिंदी में बोलूं, जिसको समझना है, वह समझ ले। काजोल ने पूरी बातचीत को मराठी और इंग्लिश में जारी रखा और भविष्य मराठी फिल्म करने के सवाल पर बताया कि अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट आएगी तो वह उसे जरूर करेंगी। इससे ये अनुमान लगाया जा रहा कि उनका मूड ठीक नहीं है और हिंदी में बात नहीं करना चाहती हैं। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है। तमाम यूजर्स काजोल पर ये आरोप लगा रहे हैं कि वह महाराष्ट्र में हिंदी और मराठी भाषा को लेकर चल रहे विवाद में मराठी भाषा को सपोर्ट कर रही हैं, इसके अलावा अन्य कई लोग उनके फेवर में बात करते हुए भी नजर आए। इस कारण काजोल का नाम लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। यह पहला मौका नहीं है, जब वह किसी तरीके के विवाद में फंसती हुईं नजर आ रही है।

अजब-गजब | यहां आजतक नहीं बरसी एक बूंद

दुनिया का ऐसा गांव, जहां कभी नहीं होती बारिश

हमारी पृथ्वी पर अनगिनत रहस्यमयी स्थान हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां कभी बारिश नहीं होती। इसकी वजह जाकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे। वैसे तो दुनिया के हर कोने में बारिश होती है फिर चाहे वह कम हो या ज्यादा। लेकिन हम जिस स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं वहां कभी बारिश नहीं होती।

दरअसल, यमन में अल-हुतैब नाम के एक गांव है जहां कभी बारिश नहीं होती ये गांव यमन की राजधानी सना के पश्चिम में मनख के निदेशालय के हरज क्षेत्र में स्थित है। यहां अक्सर पर्यटक आते रहते हैं और शानदार नजारों का लुत्फ उठाते हैं। वैसे तो लगभग सभी गांवों में बारिश होती है, शायद ही आपने कभी ऐसे गांव के बारे में सुना होगा जहां कभी बारिश नहीं होती है। लेकिन यमन का अल-हुतैब गांव दुनिया का एक ऐसा एक मात्र गांव है जहां कभी बारिश नहीं होती।

इस गांव में पहाड़ों की चोटी पर भी इतने खूबसूरत घर बनाए हुए हैं, जिसे लोग देखते ही रह जाते हैं। यह गांव पृथ्वी की सतह से 3,200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। गांव के चारों ओर का वातावरण वास्तव में काफी गर्म है। हालांकि सर्दियों के दौरान सुबह के समय वातावरण बहुत

ठंडा होता है, लेकिन जैसे ही सूरज उगता है, लोगों को गर्मियों का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण और शहरी विशेषताओं के साथ प्राचीन और आधुनिक वास्तुकला दोनों को जोड़ने वाला यह गांव अब 'अल-बोहरा या अल-मुकरमा' लोगों का गढ़ है। इन्हें यमनी समुदाय कहा जाता है। ये मुहम्मद बुरहानुद्दीन के नेतृत्व वाले इस्माइली (मुस्लिम) संप्रदाय से आते हैं, जो मुंबई में रहते थे। साल 2014 में अपनी मृत्यु तक हर तीन साल में वो इस गांव का दौरा करते थे। इस गांव की सबसे खास बात ये है कि यहां कभी बारिश नहीं होती। क्योंकि ये गांव बादलों के ऊपर बसा हुआ है। बारिश करने वाले बादल इस गांव के नीचे ही बनते हैं। जिसकी वजह से गांव से निचले इलाकों में तो बारिश होती है लेकिन गांव में एक बूंद भी नहीं गिरती। यहां का नजारा ऐसा है, जैसा शायद ही आपने कभी कहीं देखा होगा।

लड़की को हुई अजीब बीमारी, चलती है तो लोग समझ लेते हैं नशे में धुत

इंसानी शरीर अपने आप में इतना अनोखा है कि इसके बारे में पूरी तरह इंसान अभी तक नहीं जान सका है। कई बार इंसान को ऐसी बीमारियां हो जाती हैं, जो दिल दहला देने वाली होती हैं। ऐसी ही बीमारी अमेरिका की एक लड़की को भी हुई। इस लड़की को अब चलना-बोलना सीखना पड़ रहा है क्योंकि इस विचित्र बीमारी की वजह से वो सब भूल रही थी। उसके दिमाग को ऊर्जा देने के लिए उसके शरीर पर बैटरी लगाई गई थी। फ्लोरिडा की रहने वाली समांथा स्टैब आज 24 साल की उम्र में फिर से चलना और बोलना सीख रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वह एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल मूवमेंट डिसऑर्डर, जनरलाइज्ड ध्न्न्ञ1 डिस्टोनिया से पीड़ित हैं। इस बीमारी में शरीर की मांसपेशियां अनियंत्रित रूप से मरोड़ खाती हैं, जिससे चलना, बोलना और सामान्य गतिविधियां करना मुश्किल हो जाता है। सामंथा को यह बीमारी केवल 7 साल की उम्र में डायग्नोज़ हुई थी। यह एक आनुवंशिक बीमारी होती है, जो आमतौर पर एक अंग से शुरू होती है और फिर धीरे-धीरे शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाती है। इसमें कंपन, दर्द, संतुलन की कमी और समन्वय में दिक्कत होती है। समांथा बताती हैं, मेरे मामले में यह पहले बाएं पैर से शुरू हुआ और एक ही हफ्ते में मैं चलने में असमर्थ हो गई। मुझे व्हीलचेयर का सहारा लेना पड़ा। इसके बाद मेरे हाथ भी प्रभावित हुए, खासकर दाहिना हाथ, जिससे मुझे बाएं हाथ से लिखना सीखना पड़ा। जब समांथा 9 साल की थीं, तो उन्हें डीप ब्रेन स्टिमुलेशन नामक सर्जरी कराई गई। इसमें उनके दिमाग में इलेक्ट्रोड लगाए गए, जो एक बैटरी से जुड़े थे। यह बैटरी उनके पेट में लगाई गई थी और इलेक्ट्रिक सिग्नल के ज़रिए मांसपेशियों और बोलने की क्षमता को नियंत्रित किया जाता था। समांथा का चलने का तरीका असामान्य है, वह लंगड़ाकर चलती हैं और उनकी पेल्विक बोन नीचे झुक जाती है। इससे अक्सर लोग उन्हें नशे में समझ लेते हैं। वह बताती हैं, लोग कहते हैं 'उसे घर ले जाओ', 'उसे पानी दो', या बार के बाहर रोक देते हैं। जबकि मैं पूरी तरह से होश में होती हूं और मुझे अपनी बीमारी के बारे में समझाना पड़ता है।

हमारी अपनी हो ट्रेड पॉलिसी : तेजस्वी

» कहा- व्यापारिक धौंस दे रहा है अमेरिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने को राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने व्यापारिक धौंस बताया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी ट्रेड पॉलिसी की संप्रभुता पर जोर दें।

बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाना एक विशिष्ट व्यापारिक धौंस है, शक्तिशाली संप्रभु राष्ट्रों के व्यापार को हथियार बनाना। यह निराशाजनक है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इसका कड़ा विरोध नहीं किया है।

भारत का अमेरिका को जवाब

अमेरिकी टैरिफ पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अमेरिका ने हाल के दिनों में रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात मार्केट फैक्टर पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर उन कार्यों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का विकल्प चुना है जो कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में कर रहे हैं। हम दोहराते हैं कि ये कार्य अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

भारत की चुप्पी एक भूल

उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि ट्रंप के 'ट्रेड फॉर सीजफायर' के दावों पर भारत की चुप्पी एक भूल थी। अब समय आ गया है कि हम अपनी व्यापार नीति की संप्रभुता पर जोर दें और आर्थिक दबाव के विरुद्ध दृढ़ता से खड़े हों। भारत दबाव में अपनी नीतिगत प्राथमिकताओं को नहीं बदल सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का आदेश दिया। ट्रंप के इस फैसले के पीछे की वजह भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना है।

राजस्व निरीक्षकों की मनमानी

तबादले के बाद भी नहीं हुए कार्यमुक्त

» लखनऊ नगर निगम में शासन आदेश की उड़ रही धज्जियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ में राजस्व निरीक्षकों की दबंगई साफ तौर पर देखी जा सकती है। जुलाई माह में शासन द्वारा स्थानांतरण के आदेश जारी किए गए थे, लेकिन हकीकत यह है कि अधिकांश निरीक्षक आज भी अपने पुराने तैनाती स्थल पर ही जमे हुए हैं। न कार्यमुक्ति की प्रक्रिया अपनाई गई, न ही नए स्थान पर कार्यभार ग्रहण किया गया।

सूत्रों के अनुसार, नगर निगम के विभिन्न जोनों में कई ऐसे निरीक्षक हैं, जो वर्षों से एक ही स्थान पर तैनात हैं और शासन के हर आदेश को ताक पर रखकर अपने रसूख के दम पर टिके हुए हैं। आश्चर्य की बात यह है कि नगर आयुक्त ने भी अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। लेखा विभाग से लेकर जोनल कार्यालयों तक कुछ कर्मचारियों की गहरी पकड़ साफ नजर आती है।

अधूरे उर्दू घर पर अबू आजमी के सवाल

» मुंबई यूनिवर्सिटी में सालों से अधूरे पड़े उर्दू घर के निर्माण का मुद्दा गर्माया

» कहा- बीच में क्यों रोक दिया गया काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुम्बई। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी ने मुंबई यूनिवर्सिटी में सालों से अधूरे पड़े उर्दू घर के निर्माण का मुद्दा उठाया। इसे लेकर उन्होंने सरकार से तीखे सवाल पूछे। सपा नेता अबू आजमी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि मुंबई यूनिवर्सिटी में वर्षों से अधूरे पड़े उर्दू घर के निर्माण के काम के बारे में मैं सरकार और संबंधित विभागों से कुछ जरूरी जानकारी चाहता हूं।

उन्होंने कहा कि उर्दू घर के लिए सरकार ने कितना बजट मंजूर किया है? अब तक उस बजट में से कितना पैसा खर्च हुआ है? अबू आजमी ने आगे सवाल किया कि यह काम बीच में क्यों रोक दिया गया? इसकी क्या वजह है? इस काम को दोबारा शुरू करने के लिए शिक्षा और अल्पसंख्यक विभाग क्या कदम उठा रहा है? उर्दू भाषा के विकास के लिए यह काम जल्दी से जल्दी दोबारा शुरू होना चाहिए। हमें उम्मीद है कि सरकार जनता के इन सवालों का जवाब जरूर देगी।

आरएसएस की कर चुके हैं तारीफ

अबू आजमी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मुस्लिम धर्मगुरुओं से मुलाकात की सराहना की थी। उन्होंने कहा था कि मैं समझता हूं कि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है और मुझे यह देखकर खुशी हुई कि इसके प्रमुख सभी धर्मों के नेताओं से मिल रहे हैं। वह यह भी कहते हैं कि इस देश में रहने वाला हर व्यक्ति भारत का नागरिक है। लेकिन, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या इसका मतलब यह है कि भाजपा इस विचारधारा से अलग है? अगर ऐसा है तो भाजपा के मंत्री अब भी यह क्यों कहते हैं कि यहां रहने के लिए मराठी में अजान करनी होगी?

अब अनाथ बच्चों को मिलेगा शिक्षा का हक

» नन्हें सपनों को मिला न्याय का आसरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ की सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता पौलोमी पाविनी शुक्ला की जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फ़ैसला भारत के सबसे बड़े न्याय मंदिर का सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसा फैसला सुनाया है जिसे सिर्फ क़ानूनी निर्णय नहीं बल्कि ममता और मानवता का मरहम भी कहा जाना चाहिए।

लखनऊ की सामाजिक कार्यकर्ता और अधिवक्ता पौलोमी पाविनी शुक्ला की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने देश के सभी राज्यों को आदेश दिया है कि अनाथ बच्चों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम आरटीई में शामिल किया जाए। यह निर्णय एक ऐतिहासिक करुणा का दस्तावेज़ बन गया है।

स्कूल अब दूर नहीं रहेंगे

कोर्ट ने निर्देश दिया कि राज्य सरकारें 4 सप्ताह के भीतर आदेश जारी करें जिससे अनाथ बच्चों को आसपास के स्कूलों में दाखिला मिल सके। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि हर राज्य सर्वेक्षण करे कि कितने अनाथ बच्चे स्कूल से बाहर हैं ताकि उन्हें स्कूलों में शामिल किया जा सके।

राज्य बनेगा अभिभावक

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब किसी बच्चे के माता पिता नहीं होते तो राज्य ही उसका पालक पिता होता है। ऐसे में राज्य की जिम्मेदारी है कि वह बच्चों की देखभाल और शिक्षा सुनिश्चित करे। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 51 का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि सभी अनाथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना राज्य का नैतिक और संवैधानिक दायित्व है।

एक आवाज़ से बदलेगा करोड़ों का भविष्य

इस याचिका की याचिकाकर्ता पौलोमी पाविनी शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को दयालु दूरदर्शी और ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने वर्षों से अनाथ बच्चों के हालात पर गहराई से काम किया है। उनकी इस विषय पर लिखी एक किताब को फोर्बस् की सूंची में शामिल किया गया है।

दो करोड़ मासूम इंतजार में

यूनिसेफ के आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं लेकिन इनमें से अधिकतर को अभी तक सरकार ने आधिकारिक रूप से गिना भी नहीं है। कोर्ट में सुश्री शुक्ला ने आग्रह किया कि अगली जनगणना में अनाथ बच्चों को गिना जाए। इस पर भारत सरकार की ओर से महान्यायवादी ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा कि इस दिशा में आवश्यक निर्देश लिए जाएंगे।

पाक महिला टीम को आयरलैंड ने हराया

» आयरलैंड के दौरे पर है पाकिस्तानी महिला टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए आयरलैंड के दौरे पर है। सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा है।

क्लोनटॉर्फ क्रिकेट क्लब डबलिन में खेले गए मैच में पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। उन्होंने इस फैसले को सही साबित करते हुए आयरलैंड को 19.4 ओवर में 142 रन पर समेटने में बड़ी भूमिका निभाई।

सना रहीं सफल गेंदबाज

पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना सबसे सफल गेंदबाज रहीं। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 4 विकेट लिए। सादिया इकबाल दायना बेग, रमीन शमीम, और नशरा संधू ने 1-1 विकेट लिए। 143 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 42 स्कोर पर टीम ने अपने 4 शुरुआती विकेट गंवा दिए। इन शुरुआती झटकों से टीम कभी उबरती हुई नहीं दिखी और 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 131 रन ही बना सकी और 11 रन से मैच हार गई। पाकिस्तान के लिए नतालिया परवेज 29 और रमीन शमीम 27 शीर्ष स्कोरर रहीं।

विकेटकीपर ने खेली अच्छी पारी

आयरलैंड के लिए विकेटकीपर और ओपनर एमी हंटर ने सर्वाधिक 37 रनों की पारी खेली। 30 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 5 चौके लगाए। इसके अलावा ओरला प्रेंडरगास्ट ने 29, लिह पॉल ने 28 रन बनाए। 6 बल्लेबाज दो अंकों में प्रवेश नहीं कर सकीं।

मैन आफ द मैच बनी ओरला प्रेंडरगास्ट

आयरलैंड के लिए ओरला प्रेंडरगास्ट ने 4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। जेन मैगुरे को 2, अवा कैनिंग, कारा मरे और लारा मैक्ब्रिड को 1-1 विकेट मिले। ओरला प्रेंडरगास्ट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। सीरीज का दूसरा मैच 9 अगस्त को खेला जाएगा।

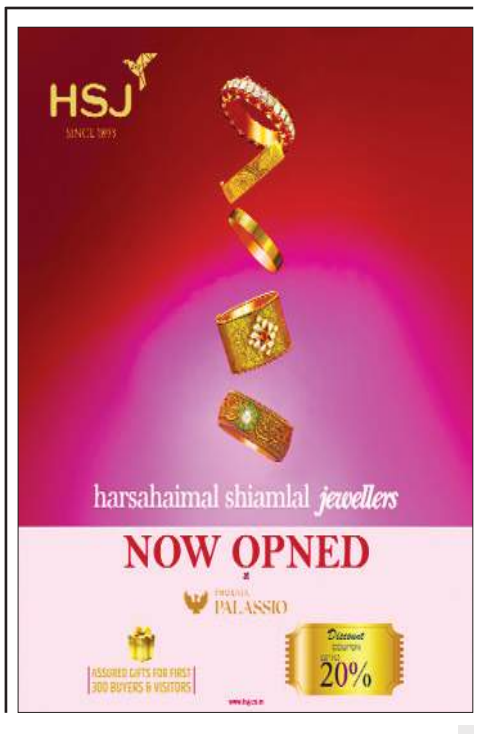

उत्तराखंड हादसा: 50 नागरिक, एक जेसीओ और आठ जवान लापता, सेना का बचाव अभियान जारी

» धराली का नागरिक हेलीपैड कीचड़ भरे भूस्खलन के कारण अभी भी काम नहीं कर रहा है

» चिनूक और एमआई-17 हेलिकॉप्टर राहत सामाग्री पहुंचाने के लिए भरेंगे उड़ान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड त्रासदी में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है और 50 नागरिक, भारतीय सेना के एक जेसीओ और 8 जवान अब भी लापता हैं। वहीं गंगोत्री में करीब 180 से 200 पर्यटक फंसे हुए हैं जिन्हें भारतीय सेना और आईटीबीपी द्वारा भोजन, चिकित्सा सहायता और आश्रय उपलब्ध कराया जा रहा है। मौसम और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के चलते राहत व पुनर्स्थापन कार्य में बाधाएं बनी हुई हैं। बावजूद इसके सेना यहां राहत व बचाव कार्यों में जुटी हुई है।

नागरिक प्रशासन के अनुसार सेना ने 1 जेसीओ और 8 जवानों के लापता होने की जानकारी दी है। 9 सैनिकों और 3 नागरिकों को हेलिकॉप्टर से देहरादून लाया गया है। 3 गंभीर रूप से घायल नागरिकों को एम्स ऋषिकेश ले जाया गया है, जबकि 8 अन्य को उत्तरकाशी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 2 शव बरामद किए गए हैं।

उत्तराखंड में कई जिलों में लगतार हो रही बारिश से जन जीवन अस्त व्यवस्त हो गया है । मौसम विभाग ने आगे भी भारी बारिश की चेतावनी के साथ रेड अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही जरूरी निर्देश भी दिये गये हैं। मौसम विभाग ने पौड़ी गढ़वाल, टिहरी, उत्तरकाशी, देहरादून, चंपावत, उधम सिंह नगर, बागेश्वर और नैनीताल के लिए 12 अगस्त तक रेड अलर्ट जारी किया है।

धराली का हैलीपैड नहीं कर रहा है काम

भारतीय सेना के अनुसार, पर्यटकों को नेलोंग हेलीपैड से निकाला जाएगा। हर्षिल का सैन्य हेलीपैड पूरी तरह से चालू है, जबकि नेलोंग हेलीपैड भी चालू है और गंगोत्री से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है, जिससे राहत कार्यों में सुविधा मिल रही है। हालांकि, धराली का नागरिक हेलीपैड कीचड़ भरे भूस्खलन के कारण अभी भी काम नहीं कर रहा है। सेना ने मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियान तेज कर दिया है और नागरिक प्रशासन व अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। सड़कें कट जाने और संचार व्यवस्था बाधित होने के चलते सेना लगातार दिन-रात राहत कार्यों में जुटी है। सेना के 225 से अधिक जवान, जिनमें इंजीनियर, चिकित्सा दल और बचाव विशेषज्ञ शामिल हैं, मौके पर तैनात हैं। यहां एक रीको रडार टीम पहले से सक्रिय है और दूसरी टीम को तैनात किया जा रहा है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सर्च एंड रेस्क्यू डॉग्स को भी तैनात किया गया है, जो लापता लोगों को खोजने में सहायता कर रहे हैं।

जल्द उड़ान भरेंगे चिनूक

चिनूक और एमआई-17 हेलिकॉप्टर, जो जॉलीग्रांट में तैनात हैं, जल्द ही मौसम की अनुमति मिलने पर लोगों को निकालने और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए उड़ान भरेंगे। सहस्त्रधारा से चलने वाले पांच नागरिक हेलिकॉप्टर एसडीआरएफ के सहयोग से मटली, भटवारी और हर्षिल के बीच लगातार उड़ानें भर रहे हैं। साथ ही, आईटीबीपी के मटली हेलीपैड पर एक अस्थायी एविएशन बेस तैयार किया जा रहा है ताकि हेलिकॉप्टर अभियानों में तेजी लाई जा सके। भारतीय सेना के अनुसार, अब तक 70 नागरिकों को सुरक्षित बचाया गया है।

बह गया राजमार्ग

पौड़ी के ज़िला मजिस्ट्रेट ने पुष्टि की कि आपदा के बाद से प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। इस बीच, चमोली जिले में तपोवन से आगे सलधार के पास, लगातार बारिश के कारण राजमार्ग का लगभग 20 मीटर हिस्सा बह गया है। क्षेत्र में संपर्क बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य चल रहा है। राज्य के लगभग हर जिले में लगातार बारिश से हुई तबाही का आकलन किया जा रहा है। और अधिक नुकसान को कम करने और मानसून के प्रकोप से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं।

कॉम्प्रोमाइज्ड इंस्टीट्यूशन बन चुका है चुनाव आयोग: प्रियंका चतुर्वेदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव को ईपीआईसी मामले में दूसरी बार नोटिस जारी करने पर शिवसेना यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग काम कर रहा है। प्रियंका का दावा है कि मतदाता सूची से नाम हटाने और जोड़ने की प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग की योग्यता पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि तेजस्वी यादव की प्रेस कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य केवल अपनी स्थिति स्पष्ट करना नहीं था बल्कि यह उजागर करना था कि कैसे मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं जिसके कई उदाहरण सामने आए हैं। चुनाव आयोग एक कॉम्प्रोमाइज्ड इंस्टीट्यूशन बन चुका है जो भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और विपक्ष को निशाना बना रहा है।

उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा को राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि ट्रंप रूस के साथ व्यापार करने वाले अन्य देशों, जैसे तुर्की, यूएई, सऊदी अरब, और कतर को नजरअंदाज करते हुए भारत को चुन-चुनकर निशाना बना रहे हैं जो भारत को अलग-थलग करने या व्यापार समझौतों के लिए दबाव बनाने की कोशिश का संकेत देता है।

नहीं करना चाहिए समझौता

प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि भारत को अपने राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता से समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया, भारत को जवाबी टैरिफ जैसे कदमों पर विचार करना चाहिए, और सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह अमेरिका पर प्रतिकारी टैरिफ लगाने की योजना बना रही है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि अमेरिका भारत के साथ व्यापारिक तनाव बढ़ा रहा है, जबकि पाकिस्तान को रियायतें दी जा रही हैं, जो भारत के हितों के खिलाफ है।

अमेरिकी सैन्य अड्डे पर गोलीबारी 5 सैनिक घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य के फोर्ट स्टीवर्ट सैन्य अड्डे पर गोलीबारी की घटना की खबर सामने आयी है। खबरों के मुताबिक इस गोलाबारी में पांच अमेरिकन सोल्जर के घायल होने की सूचना है। हमले के बाद सैन्य अड्डे के कुछ हिस्सों को सीज कर दिया गया और गोलबारी करने वाले संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।

आरोपी हमलावर भी सैनिक बताया जा रहा है। सभी घायल सैनिकों को इलाज के लिए विन आर्मी कम्युनिटी हॉस्पिटल ले जाया गया है। सरकार के मुताबिक फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सैन्य अड्डे पर गोलीबारी करने वाले सेना के सार्जेंट को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने संदिग्ध की पहचान 28 वर्षीय सार्जेंट क्रोर्नेलियस सेमेंट्रियो रेडफोर्ड के रूप में की है जिसे गोलीबारी के कुछ ही पल बाद आस-पास के सैनिकों ने काबू कर लिया था। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार तीसरे इन्फैंट्री डिवीजन के कमांडिंग जनरल, ब्रिगेडियर जनरल जॉन लुबास ने कहा है कि रेडफोर्ड ने हमले के दौरान एक निजी पिस्तौल का इस्तेमाल किया था।

पत्रकार राघवेन्द्र हत्याकांड में शामिल दो बदमाश मुठभेड़ में ढेर

» सीतापुर पुलिस और एसटीएफ नोएडा यूनिट की सयुंक्त कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा यूनिट और सीतापुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पत्रकार राघवेंद्र हत्याकांड में शामिल दो वांछित इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर हो गए हैं। इन पर एक-एक लाख का इनाम रखा गया था। नोएडा एसडीएम से मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और सीतापुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में थाना पिसावां क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हाथ लगी।

पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो कुख्यात इनामी बदमाश गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए तत्काल सीएचसी भेजा गया, जहां से उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल सीतापुर रेफर किया गया। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।

एसटीएफ ने जानकारी दी कि मृतकों की पहचान राजू तिवारी उर्फ रिजवान (पुत्र कृष्ण गोपाल उर्फ करीम खान, निवासी अटवा, थाना मिसरिख) और संजय तिवारी उर्फ शिब्बू उर्फ शकील खान (पुत्र कृष्ण गोपाल उर्फ करीम खान, निवासी अटवा, थाना मिसरिख) जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। दोनों बदमाश सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र वाजपेयी की हत्या के मामले में वांछित थे और इन पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, राजू तिवारी उर्फ रिजवान वर्ष 2006 में जनपद लखीमपुर खीरी के थाना क्षेत्र में तैनात उपनिरीक्षक परवेज अली की धारदार हथियार से हत्या कर चुका था और उसकी सरकारी रिवॉल्वर भी लूट ली थी।

दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं हत्या लूट के

तिवारी उर्फ शकील खान ने वर्ष 2011 में देवी सहाय शुक्ल (थाना मचरहेता, सीतापुर) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इन दोनों पर हत्या, लूट, डकैती सहित दो दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ये लंबे समय से फरार चल रहे थे और पुलिस के लिए चुनौती बने हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि इन अपराधियों की धरपकड़ के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ को अंजाम दिया गया।पुलिस अब इस केस से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है ताकि हत्या की साजिश से जुड़े बाकी पहलुओं का भी खुलासा किया जा सके।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।